











# संपादकीय

## प्रचलित उर्दू शब्दों की प्रायंगिकता

**भा** रातीय संस्कृति शिक्षा और भाषा पर विदेशी आक्रमणकारियों का विश्वास एवं विपरीत प्रश्नाव हमेसे से रहा है तथा सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रयासों के बावजूद भी देश के कई विभागों विशेषतः पुलिस व राजस्व जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अभी भी कई विदेशी शब्दों का ही प्रयोग किया जाता है। यह शब्द पुलिस की जुबान पर तो इस तरह से घर कर गये हैं कि उनसे मोह टूट ही नहीं पा रहा है। वास्तव में पूर्व औपनिवेशिक भारत की पहचान स्वदेशी शिक्षा प्रणाली ही थी, क्योंकि रेस गुलाम था तथा सभी हिंदू व मुस्लिम एक ही भारत देश के निवासी थे तथा स्वाधिकार है कि हिंदी भाषा के साथ-साथ उर्दू व फारसी भाषा का ही प्रयोग होता रहा है। अंग्रेज लोगों के अपनी पाश्चात्य भाषा द्वितीय को ही बढ़ावा देना चाहते थे, मगर वे भारत में पहले से बोली जा रही भाषाओं के बीच में किसी भी प्रकार की लकड़ी नहीं खींचना चाहते थे। इसके अधिकारियों यह बात भी सच है कि 17 वीं शताब्दी से पहले भारत में मुस्लिम-मुगल सुलतानों व राजाओं का ही अधिकार था तथा उन्होंने हिंदू व संस्कृत जैसी भाषाओं को तरसीज़ न देकर उर्दू व फारसी को ही आगे बढ़ावा तथा स्कूलों-कालेजों में वैनकूलर भाषा का ही प्रयोग किया गया। इन शासकों ने राजस्व व पुलिस जैसे महत्वपूर्ण विभागों में केवल उर्दू का ही प्रयोग किया तथा भाषा का तो नामामात्र प्रयोग ही किया जाता रहा है। बढ़िया देश की स्वतंत्रता से पहले वह थानों में रखा हुआ किंवदं देखें तो पता चलता है कि इसका कार्यक्रम होता रहा है।

भारत में हिंदी को भले ही वर्ष 1950 में प्रशासनिक भाषा का दर्जा दे दिया गया था नगर प्रथम राजभाषा आयोग, जैकि वर्ष 1955 में बनाया गया था, ने अपना प्रतिवेदन वर्ष 1956 में प्रस्तुत किया।

पुलिस का सारा काम उर्दू भाषा में ही की जाता था। देश की आजादी के बाद भले ही हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाने लगा, मगर फिर भी पुलिस व राजस्व जैसे विभागों की प्रशासनिक भाषा के रूपान्तरण की तरफ उचित ध्यान नहीं दिया गया। भारत में हिंदी को भले ही वर्ष 1950 में प्रशासनिक भाषा का दर्जा दे दिया गया था मगर प्रथम राजभाषा आयोग, जौकि वर्ष 1955 में बनाया गया था, ने अपना प्रतिवेदन वर्ष 1956 में प्रस्तुत किया। हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाये हैं तथा इसी तरह हिंदी दिवस 14 सितंबर एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस 10 जनवरी को व्यापक स्तर पर मनाया जाने लगा है। इसके अधिकारियों को भी हिंदी का प्रयोग करने के लिए कई प्रकार के प्रोत्साहन भी दिये जाने लगे हैं, मगर इन सब के बावजूद भी पुलिस विभाग में अनेकों शब्द पर्सोनल ढंग से उर्दू में ही प्रयोग किये जा रहे हैं। ब्रिटिश राज से स्वतंत्रता पाने के लिए एवं मुस्लिम समुदायों में जागरूकता पैदा करने के लिए मुस्लिमों द्वारा इसका व्यापक प्रयोग किया गया था, मगर अब देश आजाद है तथा लोगों का रुझान अन्य भाषाओं की तरफ बढ़ता जा रहा है।

### अभिमत आजाद सिपाही

आरएसएस ने आजादी का अनुत्त महोत्सव और गांधी जयंती के महेनजर राज्य में पथ संचलन करने की अनुमति अक्टूबर 2022 में तमिलनाडु सरकार से मांगी थी। राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके लिए उच्च न्यायालय के पथ संचलन करने की इजाजत के लिए उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की थी।

## सज्जन शक्ति की जीत है तमिलनाडु में आरएसएस के पथ संचलन को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति



**सुखदेव वर्षाष्ठ**  
तमिलनाडु में डीएमके सरकार द्वारा एडी-चॉटी का जो लगाने के बावजूद राष्ट्रीय व्यवस्था का तथा स्वयंसेवक का पथ संचलन वह रोक नहीं सकती। सरकार ने पहले सत्ता और फिर न्यायालय का प्रयोग करते हुए अंडाङ्गा डालने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। रविवार, 16 अप्रैल को राज्य में 45 स्थानों पर पथ संचलन संपन्न हुआ।

### क्या है पथ संचलन

वास्तव में संघ का संचलन संघ के दैनिनिक अचरण का एक अंग है। जन साधारण और हिंदू समाज में आत्मविश्वास पैदा करने तथा स्वयं-अनुसासन व प्रामणिकता बनाए रखने के लिए संचलन होता है। यह ऐसा कार्यक्रम होता है, जिसमें दिखाया जाता है कि हिंदू समाज एक जुटाता से, दृढ़ता से और स्थिरता से कृच कर सकता है।

संगठन के रूप में रा. स्व. सघ की प्रक्रिया का वह अंग है।



मद्रास उच्च न्यायालय के एकल पीठ के फैसले को आरएसएस ने दो सदस्यीय पीठ के समक्ष छुनौती दी थी। न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की पीठ ने फरवरी में अपने आदेश में आरएसएस की याचिका को स्वीकार कर दिया था और उसे पथ संचलन की अनुमति दी थी।

फैसले को छुनौती दी थी, जिसमें पथ संचलन की इजाजत दी गयी थी।

आरएसएस ने आजादी का अमृत महोत्सव और गांधी जयंती के महेनजर राज्य में पथ संचलन करने की अनुमति अक्टूबर 2022 में तमिलनाडु सरकार से मांगी थी। राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। आरएसएस के पथ संचलन की इजाजत के लिए उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका के स्वतंत्रता के लिए एकल पीठ के समक्ष करने की अनुमति दी थी।

शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की उस दलील के बावजूद यह दिया था कि राज्य सरकार के पथ संचलन के प्रस्तावित मार्गों को राज्य सरकार के बावजूद उत्तीर्ण करने की अनुमति दी थी।

शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की उस दलील के बावजूद यह दिया था कि राज्य सरकार ने आरएसएस के पथ संचलन का विरोध नहीं किया, बल्कि कानून-व्यवस्था के मदेनजर संवेदनशील मार्गों का मुद्दा उठाया था। पीठ के समक्ष सरकार का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिकारी मुकुल रोहतगी ने कहा था कि राज्य सरकार ने आरएसएस के पथ संचलन का विरोध नहीं किया, बल्कि कानून-व्यवस्था के मदेनजर संवेदनशील मार्गों का मुद्दा उठाया था। पीठ के समक्ष सरकार का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिकारी मुकुल रोहतगी ने कहा था कि राज्य सरकार प्रतिबंधित संगठन के संघर्ष का हल निकालने का प्रतिबंधित संगठन के संघर्ष का हल निकालने की निर्णय

पीएफआइ की गतिविधियों और बम विस्फोटों से प्रभावित छह जिलों में राज्यव्यापी पथ संचलन को प्रतिबंधित करना चाहती है।

वरिष्ठ अधिकारी रोहतगी कहा था कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने हमारी (राज्य सरकार की) दलीलों पर सहमति जाताई, लेकिन खंडपीठ ने अवधानना याचिका पर सुनवाई करते हुए इसे (पथ संचलन को) अनुमति दे दी थी।

शीर्ष अदालत के समक्ष वकील जोसेफ अरस्टू के माध्यम से दावर अपनी अपील में तमिलनाडु सरकार ने तर्क दिया था कि इस तरह के पथ संचलन की अनुमति देने से राज्य में कानून-व्यवस्था समेत अन्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। याचिका में कहा गया है कि मार्ग के खिलाफ राज्य का निर्णय

सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत मौलिक अधिकारों पर उचित प्रतिवेदी के तहत था। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में सितंबर 2022 में पॉलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआइ) पर प्रतिबंध के मदेनजर सार्वजनिक शास्ति भंग की आशंका से संबंधित रिपोर्टों का भी हवाला दिया था।

मद्रास उच्च न्यायालय के एकल पीठ के फैसले को आरएसएस ने दो सदस्यीय पीठ के समक्ष छुनौती दी थी। न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की पीठ ने फरवरी में अपने आदेश में आरएसएस की याचिका को स्वीकार कर दिया था और उसे पथ संचलन की अनुमति दी थी।

उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने यह भी कहा था कि राज्य को नागरिकों के भाषण और अधिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को बनाए रखना चाहिए।

राज्य के अलग-अलग हाफ्सों में सज्जन शक्ति की महत्वता दिखाते संचलनों में अकेले चेन्नई में कोरडू के संचलनों में पेरांबर, तिरुवृद्धीयुर, अम्पाथूर और वडपलनी इलाकों के 1,200 से अधिक स्वयंसेवक गणवेश में सहभागी हुए थे।

दक्षिण तमिलनाडु में यह आंकड़ा 12 हजार से अधिक और उत्तर तमिलनाडु प्रांत में आठ से उत्तर तमिलनाडु प्रांत में अधिक और उत्तर तमिलनाडु प्रांत में अधिक था। यानि दोनों प्रांत में अधिक दक्षिण तमिलनाडु सरकार ने अदालत के संघर्ष के लिए उत्तर तमिलनाडु को अनुमति देने से राज्य में कानून-व्यवस्था समेत अन्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। याचिका में कहा गया है कि मार्ग के खिलाफ राज्य का निर्णय

## जमशेदपुर की खबरें

### परमेश्वर सरदार हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, हत्यारा गिरफ्तार



### गाली गलौज से तंग आकर की हत्या

पुलिस अनुसंधान में पाया गया खरासावं गाली-गलौज के समीप जमलीह का सापाहाक हाट करना लगा था। पुलिस ने परमेश्वर सरदार हत्याकांड का खुलासा करते हुए अधिकृत रावी मधुआ के द्वारा हत्या कर दिया था। गलौज के दूसरे गाली-गलौज क













## भारत-चीन के बीच 18वें दौर की कोर कमांडर वार्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। तीन साल पुराने सैन्य गतिरोध को हल करने की मार्ग करते हुए, भारत और चीन चुशुल में रविवार को को कमांडर स्टर की 18 वीं दौर की वार्ता आयोजित कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारतीय पक्ष से, बैठक का नेतृत्व फार्म एंड फ्यूरी कार्यालय कमांडर लैफ्टिनेंट जनरल राधिम बाटों कर रहे हैं और चीनी पक्ष से समकक्ष रैक के आधिकारी पूर्वी लदाख करते का मुद्दा बार-बार उठाता रहा है।

बैठक पांच महीने के अंतराल के बाद हो रही है। इसके पहले दोनों पक्षों के बीच कोर कमांडर स्टर की आवधिया बैठक पिछले साल दिसंबर में हुई थी। यह बैठक तब हो रही है जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से नियंत्रण गतिविधियों में लगे हुए हैं। भारतीय पक्ष देपसांग के मैदानों, डेमचोक और दोनों पक्षों द्वारा पीछे रैक के आधिकारी पूर्वी लदाख करते का मुद्दा बार-बार उठाता रहा है।

बैठक कर रहे हैं। यह

**राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं संतोष कुमार महली मुखिया तुमांग पंचायत**

**राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं पुत्रुल देवी मुखिया लप्पा पंचायत**

बोर्ड परीक्षा के लिए अन्यांत महत्वपूर्ण पुस्तकों प्रकाशित



Registered Office : 262, Delta Bhawan, Adeesh Nagar, Kharha Tok Kokar, Ranchi (Jharkhand) - 834 001  
Corporate Office : Kharha Tok Kokar, Ranchi (Jharkhand) - 834 001  
Mobile : 9835502908

E-mail : alphaeducational.center@gmail.com, Web site : www.alphaeos.com

Corporate Office : No. 101, New Nalanda, Nalanda, Bihar  
Mobile : 9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

9431103045

943110304